# भगवान विष्णु  के 108 नाम

1. नारायण - ईश्वर

2. क्षेत्रज्ञ - क्षेत्र के ज्ञाता

3. मुक्तानां परमागति - मोक्ष प्रदान करने वाले

4. भूतभावन - ब्रह्माण्ड के सभी प्राणियों का पोषण करने वाले

5. पूतात्मा - शुद्ध छवि वाले प्रभु

6. वषट्कार - यज्ञ से प्रसन्न होने वाले

7. विष्णु - हर जगह विराजमान रहने वाले

8. भूतभृत - सभी प्राणियों का पोषण करने वाले

9. भूतकृत - सभी प्राणियों के रचयिता

10. भाव - सम्पूर्ण अस्तित्व वाले

11. भूतात्मा - ब्रह्माण्ड के सभी प्राणियों की आत्मा में वास करने वाले

12. साक्षी - ब्रह्माण्ड के सभी घटनाओ के साक्षी

13. पुरुष - हर जन में वास करने वाले

14. परमात्मा - श्रेष्ठ आत्मा

15. अव्यय: - हमेशा एक रहने वाले

16. भूतभव्यभवत्प्रभु - वर्तमान और भविष्य के स्वामी

17. प्रभु - सर्वशक्तिमान प्रभु

18. योगाविंदां नेता - सभी योगियों का स्वामी

19. संभव - सभी घटनाओ के स्वामी

20. प्रभव - सभी चीजों में उपस्थित होने वाले

21. योग - श्रेष्ठ योगी

22. गरुड़ध्वज - गरुड़ पर सवार होने वाले

23. भावन - भक्तो को सब कुछ देने वाले

24. भूतादि - सभी को जीवन देने वाले

25. पुरुषोत्तम - श्रेष्ठ पुरुष

26. श्रीमान - देवी लक्ष्मी के साथ रहने वाले

27. भर्ता - सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के संचालक

28. निधिरव्यय - अमूल्य धन के समान

29. प्रधानपुरुषेश्वर - प्रकृति एवं प्राणियों के भगवान

30. नारसिंहवपुषः - नरसिंह रूप धारण करने वाले

31. केशव - सुंदर बाल वाले

32. स्थाणु - स्थिर रहने वाले

33. सर्व - जिसमे सब चीजे समाहित हो

34. शिव - सदैव शुद्ध रहने वाले

35. शर्व - बाढ़ में सब कुछ नाश करने वाले

36. स्थविष्ठ - मुख्य

37. हृषिकेशा - सभी इद्रियों के स्वामी

38. विधाता - सभी कार्यो की रचना करने वाले

39. त्वष्टा - बड़े को छोटा करने वाले

40. धातुरुत्तम - ब्रह्मा से भी महान

41. ईश्वर - पूरे ब्रह्माण्ड पर अधिपति

42. विश्वकर्मा - ब्रह्माण्ड के रचयिता

43. पद्मनाभ - जिनके पेट से ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति हुई

44. मनु - सभी विचार के दाता

45. अमरप्रभु - अमर रहने वाले

46. महास्वण - वज्र की तरह स्वर वाले

47. अप्रेमय - परिभाषाओ से परे

48. धाता - सभी का समर्थन करने वाले

49. स्वयंभू - स्वयं प्रकट होने वाले

50. अनादिनिधन - जिनका ना आदि है ना ही अंत

51. पुष्कराक्ष - कमल जैसे नयन वाले

52. आदित्य - देवी अदिति के पुत्र

53. शम्भु - खुशियां देने वाले

54. माधव - देवी लक्ष्मी के पति

55. कृष्ण - काले रंग वाले

56. त्रिककुबधाम - सभी दिशाओ के भगवान

57. हिरण्यगर्भ - विश्व के गर्भ में वास करने वाले

58. श्रेष्ठ - सबसे महान

**59. प्राणद - प्राण देने वाले**

**60. ईशान - हर जगह वास करने वाले**

**61. शाश्वत - हमेशा अवशेष छोड़ने वाले**

**62. प्राण - जीवन के स्वामी**

**63. प्रजापति - सभी के मुख्य**

**64. लोहिताक्ष - लाल आंखो वाले**

**65. प्रभूत - ज्ञान के दाता**

**66. अग्राह्य - मांसाहार का त्याग करने वाले**

**67. पवित्रां - हृदय पवित्र करने वाले**

**68. ज्येष्ठ - सबसे बड़े प्रभु**

**69. मंगलपरम - श्रेष्ठ कल्याणकारी**

**70. प्राणद - प्राण देने वाले**

71. स्थविरो ध्रुव - प्राचीन देवता

72. भूगर्भ - खुद के भीतर पृथ्वी का वहन करने वाले

73. अह्न - दिन की तरह चमकने वाले

74. विक्रम - ब्रह्माण्ड को मापने वाले

75. सुरेश - देवो के देव

76. विश्वरेता - ब्रह्माण्ड के रचयिता

77. कृतज्ञ - अच्छाई बुराई का ज्ञान देने वाले

78. प्रजाभव - भक्तो के अस्तित्व के लिए अवतार लेने वाले

79.कृति - कर्मो का फल देने वाले

80. शरणम - शरण देने वाले

81.आत्मवान - सभी मनुष्य में वास करने वाले

82. अनुत्तम - श्रेष्ठ ईश्वर

83. मधुसूदन - रक्षक मधु के विनाशक

84. मेधावी - सर्वज्ञाता

85. ईश्वर - सबको नियंत्रित करने वाले

86. क्रम - हर जगह वास करने वाले

87. दुराधर्ष - सफलता पूर्वक हमला न करने वाले

88. धन्वी - श्रेष्ठ धनुष धारी

89. विक्रमी - सबसे साहसी भगवान

90. सममित - सभी प्राणियों में असीमित रहने वाले

91. वसु - सभी प्राणियों में रहने वाले

92. सिद्ध - सब कुछ करने वाले

93. सत्य - सत्य का समर्थन करने वाले

94. सर्वेश्वर - सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के स्वामी

**95. अच्युत - कभी न चूकने वाले**

**96. वृषाकपि - धर्म और वराह का अवतार लेने वाले**

**97. व्याल - नाग द्वारा कभी न पकड़े जाने वाले**

**98. सम्वत्सर - अवतार लेने वाले**

**99. समात्मा - सभी के लिए एक जैसे**

**100. वसुमना - सौम्य हृदय वाले**

**101. सर्वयोगविनि - सभी योगियों के स्वामी**

**102. प्रत्यय - ज्ञान का अवतार कहे जाने वाले**

**103. सर्वादि - सभी क्रियाओ के प्राथमिक कारण**

**104. अमेयात्मा - जिनका कोई आकार नहीं है।**

**105. सिद्धि - कार्यो के प्रभाव देने वाले**

**106. अज - जिनका जन्म नहीं हुआ**

**107. सर्वदर्शन - सब कुछ देखने वाले**

**108. शम्भु - खुशियां देने वाले**